भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

06.08.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2823 का उत्तर

रेलवे में सार्वजनिक-निजी भागीदारी

2823. श्रीमती रचना बनर्जी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) रेलवे में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है, साथ ही आवंटित परियोजनाओं की संख्या कितनी है, उनकी प्रगति क्या है और अवसंरचना के विकास एवं सेवा वितरण पर प्रभाव क्या हैं;

(ख) रेल परिचालन में निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए सरकार के दीर्घकालिक दृष्टिकोण का ब्यौरा क्या है; और

(ग) सार्वजनिक हित और सामर्थ्य सुनिश्चित करने के लिए लागू किए गए सुरक्षा उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): रेल मंत्रालय सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) की विभिन्न योजनाओं के तहत नेटवर्क विस्तार, रेल इंजन कारखानों की स्थापना, रेल माल डिब्बों को शामिल करना, स्टेशन विकास, माल टर्मिनलों का निर्माण आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में हितधारकों और रणनीतिक निवेशकों से निवेश आकर्षित करता है।

अब तक, पीपीपी मॉडल के माध्यम से 18 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं तथा कोयला संपर्कता और बंदरगाह संपर्कता परियोजनाओं सहित 7 परियोजनाओं का कार्यान्वयन किया जा रहा है।

गति शक्ति कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) भी उद्योग प्रतिभागियों द्वारा विकसित किए जा रहे हैं। अब तक 112 गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों को कमीशन किया जा चुका है।

उपरोक्त के अलावा, उद्योग की भागीदारी से रेलइंजन उत्पादन के लिए इलेक्ट्रिक रेलइंजन कारखाना/मधेपुरा और डीजल रेलइंजन कारखाना/मढ़ौरा की स्थापना की गई थी।

*****